

महिमा है ओमकार की,
भाई साधो,
कुछ संत कहता रे पुकार ॥

अब अवधिया में ॐ कह तो,
अपरं वाणी चार वेद में,
ॐ सब सीवरों प्राणी,
अनहद में ॐ है,
सब धातु में ॐ,
सब धातु क्या अर्थ है,
जाने कोई जाननहार,
महिमा है ॐकार की,
भाई साधो,
कुछ संत कहता रे पुकार ॥

अंत अकेला जाय ॐ का,
सकल पसारा बीज रूप से,
ॐ बरसता सत्संग सारा,
जल थल में ॐ है,
जा देखु वहां ॐ,
ॐ में सब होत है,
जल पान फल फूल,
महिमा है ॐकार की,
भाई साधो,
कुछ संत कहता रे पुकार ॥

त्रिकुटी में ॐ ॐ में,
अनहद वाणी,
अनहद में है,
जोत जोत में ब्रह्म पहचानी,
मन के लिए चाहत है,
प्रेम पदारथ जान,
अवध बणिया साधु आवे,
पावे पद निर्वाण,
महिमा है ॐ कार की,
भाई साधो,
कुछ संत कहता रे पुकार ॥

वेदों के अनुसार ॐ की,
महिमा गाई किया सिमरन,
ॐ अंत मे मुगति पाई,
राम भारती सिमरत मिलिया,
ओमनाम आधार,
रामभारती संता सुणरे,
गाया थारा वेद पुराण,
महिमा है ॐ कार की,
भाई साधो,
कुछ संत कहता रे पुकार ॥

महिमा है ओमकार की,
भाई साधो,
कुछ संत कहता रे पुकार ॥

गायक / प्रेषक पंडित श्यामनिवास जी ।

9983121148

Source: <https://www.bharattemples.com/mahima-hai-omkar-ki-bhai-sadho/>



Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw>